inquire into and see. So far as Galadhari and other matters are concerned, they are matters for inquiry and I can assure the hon. Member that we will inquire into them.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Calling Attention will continue after lunch.

DR. (SHRIMATI) RAJINDER KAUR (Punjab): Sir,... ..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. When I am standing, you cannot speak.

DR. (SHRIMATI) RAJINDER KAUR: And after that you will run away. If you promise...

ANNOUNCEMENT RE THE ARREST AND RELEASE OF SHRI B. SATYANARAYAN REDDY AND THE ARREST OF SHRI SURENDRA MOHAN

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that I have received the following communication dated the 5th September, 1981, from the Inspector of Police, Saifabad Police Station, Hyderabad, regarding the arrest and release of Shri B. Satyanarayan Reddy, Member, Rajya Sabha;

"On 5/9/80 at 11.00 A.M., Shri B. Satya Narayan Reddy, Member of Rajya Sabha, staged a demonstration in front of the Secretariat along with 25 Lok Dal volunteers, including Shri Janardhan Reddy, Local M.L.A., against price rise etc. They obstructed vehicular traffic on the main road. Hence they were taken into custody for violating regulatory orders of the Commissioner of Police U/S 22/76 of Hyderabad City Police Act vide Case No. 860/81. Subsequently they were released by the Police."

I have also to inform Members that I have received the following message dated the 5th September, 1981, from the District Magistrate, Lucknow, regarding the arrest of Shri Surendra Mohan, Member, Rajya Sabha:

"SHRI SURENDRA MOHAN MEMBER OF PARLIAMENT (RAJYA SABHA) HAS BEEN ARRESTED U/S 151/107/116 Cr. P. C. ON 5-9-81 AND LODGED IN DISTRICT JAIL, SITAPUR."

अब सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

The House then adjourned for lunch at seven minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at two minutes past two of the clock, **MR. DEPUTY CHAIRMAN** in the Chair.

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported operations in narcotics in Delhi by a Gang called "Jassi" having International Links—Contd

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Shiva Chandra Jha. Not present. Mr. Rameshwar Singh

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं मंत्री जी का ध्यान जो कालिंग अटेंशन पर बहस चल रही है उसमें दो तीन सवालों की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं . . .

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : पहले तो यह कहिये कि हरिजनों पर अत्याचार हो रहे है . . .

(व्यवधान)

श्री कल्पनाथ राय : तीन ही कहे हो, तीन सवाल पूछिये ।

श्री योगेन्द्र मकवाणा : दोनों ने कुछ ने कुछ तय कर लिया है? . . .

(व्यवधान)

श्री रामेश्वर सिंह : कुछ इनसे हमने ले लिया है, कुछ इन्होंने हमको दिया है। जो हमारी युवा पीढ़ी के लोग हैं यानी आने वाली जो पीढ़ी है . . .

श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी : अरे भई अंग्रेजी में बोलिये । हिन्दी समझ नहीं आती ।

श्री रामेश्वर सिंह : हिन्दी आप अच्छी तरह समझते हैं ।

श्री कल्पनाथ राय : इनको इंगलिश नहीं आती है ।

श्री रामेश्वर सिंह : क्या यह सही नहीं है कि मादक द्रव्य बड़े पैमाने पर, यूनिवर्सिटी की बात तो छोड़िये यूनिवर्सिटी में तो बालिग् लड़के पहुंचते हैं लेकिन कालिज की बात कहता हूं कि कालिजों में लड़के अपरिपक्व होते हैं, इनकी बुद्धि परिपक्व नहीं होती वे मादक द्रव्य, मैंड्रेक्स वगैरह चीजों का इस्तेमाल करते हैं और बड़े पैमाने पर करते हैं इसका परिणाम यह हो रहा है कि इनका मानसिक संतुलन बिगड़ता जा रहा है। मैं एक-एक करके नाम गिना सकता हूं लेकिन मैं गिनाऊंगा नहीं बहुत लम्बी लिस्ट हो जाएगी। मंत्री जी मैं बहुत गंभीरता से यह सवाल करना चाहता हूं कि हम लोग राजनीतिक लोग हैं और राजनीतिक लोगों को अमूमन जो कुछ बाहर कहा जा रहा है उससे इतने डिमोरलाइज हो गये हैं, स्तर इतना नीचे गिरता जा रहा है, कि आम पब्लिक कहने लगी है कि राजनीतिक लोगों का जीवन स्वच्छ नहीं है। राजनीतिक लोगों का जीवन स्वच्छ न होने के कारण इससे अंदाजा लगाया जा रहा है इनके बच्चे बिगड़ रहे हैं। इसका कारण यह है आप माफ करेंगे, हम यह पा रहे हैं कि राजनीतिक लोगों के पास फुर्सत नहीं है कि वह अपने परिवार के लोगों की देखभाल कर सके। आज जो थोड़ी बहुत समाज सेवा कर पा रहे हैं, थोड़ा बहुत समाज में परिवर्तन करने की बात सोच रहे हैं उसकी वजह से अपने बच्चों पर ध्यान देने की फुर्सत नहीं है ।

श्री उपसभापति : आप प्रश्न पूछिये ।

श्री रामेश्वर सिंह : आप बीच में मत बोलिये । मैं पांच सात मिनट लूंगा । **(व्यवधान)** क्या यह सही नहीं है मादक द्रव्य से इन बच्चों का स्तर गिरता जा रहा है। जो क्रिमिनल लोग हैं वे बहुत तेजी से राजनीतिक लोगों के बच्चों के पास जाकर प्रोटेक्शन पा रहे हैं और राजनीतिक लोगों के जो बच्चे हैं वे अपने पिता या अपने घर के बड़ों के पास जिनका असर समाज में है, पुलिस पर है, सरकार पर है उनसे फायदा उठाकर क्राइम कर रहे हैं। जैसा मैंने कहा मैं सैकड़ों मिसाल दे सकता हूं। अच्छे-अच्छे मंत्रियों के लड़के क्राइम में पकड़े जा रहे है तो क्या सरकार इस तरफ ध्यान देगी? क्या सरकार इस पर गंभीरता से सोच रही है? मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं पर सब को मेरी बात कड़वी लगती है। अभी परामर्श दात्री कमेटी की बैठक हुई थी एजुकेशन की उसमें मैंने यह सवाल खड़ा किया था तो आफिसर लोग कहते है कि यहां पर पोलिटिकल बात न करें और हमारे कुछ संसद सदस्यों ने भी कहा कि राजनीतिक चर्चा यहां न हो। मैं पूछना चाहता हूं आखिर हमारा धर्म क्या है? राजनीतिक बात करना क्या गुनाह है? मैं बताना चाहता हूं जो कान्वेन्ट स्कूल यहां पर है यहां पर

एक स्तर की पढ़ाई होती है, अंग्रेजी में ही पढ़ाई होती है। राजनीतिक लोगों के बच्चे इसमें पढ़ते हैं। राजनीतिक लोग पांच साल मेम्बर रह कर जब वे चुनाव में हार जाते हैं तो वे अपने बच्चों के साथ गांव में वापस आ जाते हैं। वे न यहां के रहते हैं और न वहां के रहते हैं। इसका कारण यह होता है कि उनके बच्चे गलत सोहबत में पड़कर अवांछनीय काम करते हैं। एक प्रश्न तो यह है कि सरकार क्या इस पर गंभीरता से सोच रही है कि इसको कैसे बंद किया जाए और दूसरा सवाल यह है कि क्या यह सही नहीं है कि उत्तर प्रदेश असेम्बली के, बिहार की असेम्बली के 70 परसेंट एम० एल०ए० ऐसे हैं, विधेयक हैं, मंत्री ऐसे हैं...

श्री उपसभापति : असेम्बली की बात मत करिये। प्रश्न पूछिये।

श्री रामेश्वर सिंह : मैं उनका नाम नहीं ले रहा हूं, 70 परसेन्ट ही कह रहा हूं।

श्री उपसभापति : आप ऐसेम्बली के लोगों को कुछ मत कहिये।

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन्, मैं मजबूती से यह पूछना चाहता हूं कि क्या आप लोग अपने लोगों के ऊपर, अपने संसद-सदस्यों के ऊपर और अपने मंत्रियों के ऊपर अंकुश लगाएंगे और जो लोग इस प्रकार की चीजों में हाथ बंटाते हैं, क्या उन पर आप अंकुश लगाएंगे ? मैं साफ तौर पर जानना चाहता हूं कि जो लोग इस तरह के काम करते हैं क्या उन पर आप अंकुश लगाएंगे ? मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि कांग्रेस पार्टी के जनरल सैक्रेटरी श्री पाटिल ने यह कहा कि जो हमारे लोग या हमारे दल के लोग अवांछनीय तत्वों के साथ रहेंगे, तस्करों के साथ रहेंगे, गलत काम करेंगे, स्मलिंग करेंगे उनको पार्टी में नहीं रहने दिया जाएगा। उनके लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा।

श्री रामकृष्ण हेगड़े (कर्नाटक) : क्या श्री कल्पनाथ राय भी यही कहते हैं ?

श्री रामेश्वर सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सही नहीं है कि बलिया जिले में इस प्रकार का एक कांड हुआ है ? यह पिछले हफ्ते की बात है। एक व्यक्ति जो स्मगलिंग करता था और जिसके बारे में अखबारों में भी रिपोर्ट आई थी, क्या यह सही नहीं है कि भारत सरकार की इस पर नजर है ? वह एक मंत्री है... **(व्यवधान)** ? मैं मंत्री का नाम लूंगा क्योंकि हाउस में पहले भी मंत्रियों का नाम लिया गया है। श्री मोरारजी देसाई का नाम लिया गया, श्री चरण सिंह का नाम लिया गया और श्री कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया गया, श्री ज्योति बसु का नाम लिया गया।

श्री उपसभापति : वे मंत्री यहां नहीं हैं।

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन्, यहां पर मंत्रियों का नाम लिया गया है। आप अभी से अपनी व्यवस्था मत दीजिये आप अपनी व्यवस्था बाद में दीजिये। पहले आप मेरी बात सुन लीजिये। क्या यह सही नहीं है कि यह एक हफ्ते पूर्व की बात है कि बलिया जिले में आपकी मंत्रि-मंडल के एक सदस्य जो स्टेट मिनिस्टर हैं, श्री बच्चा पाठक, आपने उनको मंत्री बनाया है, उनके भाई ठेकेदार हैं--आपने उनको पी० डब्ल्यू० डी० का मिनिस्टर बनाया है, आप उनको प्रधान मंत्री बनाइये, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सही नहीं है कि वे तस्करों, स्मग्लरों और डैकेतों के घर पर जाते हैं और

[श्री रामेश्वर सिंह]

शाम को 4 बजे पुलिस के एस० पी० और कलेक्टर वहां जाते हैं, उन के घर पर दावतें खाई जाती हैं। पुलिस उन को खोज रही थी और उनको पकड़ना चाहती थी। वहां आपके मंत्रिमंडल का एक सहयोगी कहता है कि यह कांग्रेस-आई का सदस्य है, इस पर पुलिस के लोगों को अंगुली नहीं उठानी चाहिए। क्या यह सही नहीं है कि जब यह वारदात होती है तो यह लखनऊ जाता है और वहां से आदेश दिया जाता है और उसी के गांव के बगल में डकैती होती है, तीन डकैत मारे जाते हैं और दो डकैत बाद में मारे जाते हैं? वहां पर पुलिस के एस० पी० और कलेक्टर को ले जा कर कहा जाता है कि ये कांग्रेस-आई के सम्मानित सदस्य हैं, इन्होंने चुनावों में बराबर हमारी मदद की है, इस पर पुलिस के लोगों को अंगुली नहीं उठानी चाहिए।

श्री अरविन्द गणेश कुकलर्णी : आपने उनका नाम नहीं लिया है।

श्री रामेश्वर सिंह : हमने नाम ले लिया है।

श्री उपसभापति : इसका मंत्री महोदय क्या जवाब देंगे?

श्री रामेश्वर सिंह : मैं दो तीन मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। आप मुझे बोलने दीजिये। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या आप उस मंत्री के अनुकूल कार्यवाही कर रहे हैं? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सही नहीं है कि जिन्होंने हाई-जेकिंग की उनको आपने टिकट दिया?

श्री उपसभापति : आप इन बातों को बीच में क्यों ला रहे हैं?

श्री रामेश्वर सिंह : मैं उनका नाम छोड़ देता हूं। हाईजेकिंग भी तस्करी है। प्लेन से भी तस्करी होती है, तस्करी घर में भी होती है।

डा० रघु प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश) : माननीय सदस्य जिन सदस्य का नाम बीच में घसीटने का प्रयास कर रहे है उन्होंने बड़ा सम्मान पूर्ण कार्य किया था।

श्री रामेश्वर सिंह : ठीक है, उन्होंने सम्मानपूर्ण कार्य किया था। आप लोग भी कहते हैं और हम भी कहते हैं कि उन्होंने सम्मानपूर्ण कार्य किया था। आप अब उनका सम्मानपूर्ण कार्य सुन लीजिये। उन्होंने बहुत बड़ा काम किया।

श्री उपसभापति : आप इस बात को छोड़िये। आप प्रश्न पूछिये।

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन, आप हमें बोलने दीजिये। हमारे मुंह में अपनी बात मत घुसाइये। हमारी लड़ाई यहां पर बराबर होती है। आप हमारे मुंह पर डांट मत लगाइये।

श्री उपसभापति : आप यहां पर दुनिया भर की बात नहीं कर सकते हैं जो संबंधित विषय है उस पर आप सवाल पूछिये।

श्री रामेश्वर सिंह : इन्होंने कहा है कि सम्मानित लोग है, मैंने इसको मान लिया।

श्री उपसभापति : इसको छोड़िये, आप आगे बढ़िये।

श्री रामेश्वर सिंह : मैं बढ़ रहा हूं। आप मत बोलिये।

इन्होंने कहा कि सम्मानित लोग हैं और हमने कहा कि बहुत सम्मानित काम किया, यह मैंने मान लिया ...(व्यवधान)

श्री उपसभापति : यह प्रश्न नहीं है, नो प्लीज ...(व्यवधान)... यह प्रश्न नहीं है।

श्री रामेश्वर सिंह : उपसभापति महोदय, ...(व्यवधान)... आप अलाऊ करें ...

श्री उपसभापति : आप कृपया जो कालिंग अटेन्शन है उस पर सवाल पूछिये? दुनिया भर की बात मत कीजिये। ...(व्यवधान)...

श्री रामेश्वर सिंह : आप अलाऊ करें या न करें, मैं अपनी बात कहूंगा।

श्री उपसभापति : मैं एलाऊ नहीं करूंगा यह बात मत लिखिये।

श्री रामेश्वर सिंह :*

श्री उपसभापति : आप प्रश्न पूछिये।

श्री रामेश्वर सिंह : आप हमारे मुंह में उंगली डाल रहे हैं ...(व्यवधान)...

क्या यह सही नहीं है कि स्मगलिंग करते हुए शादी हुई और शादी होने के...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This sentence will not go on record. Do not write it.

श्री रामेश्वर सिंह :*

श्री उपसभापति : मैं आपसे निवेदन करूंगा कि विधायकों के बारे में कुछ मत कहिये, यह इस सदन की परम्परा नहीं है। यह सदन की परम्परा नहीं है कि यहां पर विधायकों की निन्दा की जाये।

श्री रामेश्वर सिंह :*

श्री उपसभापति : आप बैठ जाइये।

श्री रामेश्वर सिंह :*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Do not write these things.

श्री रामेश्वर सिंह :*

श्री उपसभापति : यह कोई प्रश्न नहीं है, आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)...

श्री रामेश्वर सिंह जी, आप एक मिनट में समाप्त कीजिये और आप बैठ जाइये। आपने 15 मिनट ले लिये। आप कृपया बैठ जाइये।

श्री रामेश्वर सिंह : इसमें 10 मिनट तो उपसभापति महोदय, आपने ले लिया है।

श्री उपसभापति : आप एक मिनट में अपनी बात कहें।

श्री रामेश्वर सिंह : एक मिनट से ज्यादा समय नहीं लूंगा।

क्या यह सही नहीं है कि ....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Do not write this thing. Do no take it down.

माननीय मंत्री जी ...(व्यवधान)...

श्री योगेन्द्र मकवाणा : माननीय सदस्य ने जो यहां पर प्रश्न उठाये है वे विसंगत हैं, उसका इस विषय से कोई मेल नहीं है, उसका कालिंगअटेन्शन से कोई तालुक नहीं है। इसलिये इन सवालों का जवाब जो विधायकों और एम० एल० एज० से संबंधित है उसका जब

*Not recorded.

[श्री योगेन्द्र मकवाणा]

मैं नहीं दे सकता। जो कुछ सजेशंस उन्होंने दिये है, उनको मैंने नोट कर लिया है और उस पर विचार किया जायेगा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Jagdish Prasad Mathur, Special Mention now.

REFERENCE TO THE ALLEGED QUESTIONABLE ACTIVITIES OF GALDARI BROTHERS

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) . श्रीमान्, गलधारी जी के नाम से शायद यह लोग समझेंगे कि वे भारतीय हैं। गलधारी साहब तीन भाई है। अब्दुल रहमान गलधारी, अब्दुल लतीफ गलधारी और अब्दुल वहाब गलधारी। इन में से एक भाई अब्दुल लतीफ गलधारी इसी अगस्त के अन्तिम सप्ताह में हिन्दुस्तान पधारे। मैं उसकी डिटेल में नहीं जाना चाहता क्योंकि कुलकर्णी साहब पहले ही कह चुके हैं। यह पाकिस्तान से बाद में आए। यह वे सज्जन हैं जिनको 1972 में बैन किया गया था और इन के संबंध यहां के देश के कई लोगों से हैं जो कि संदेहास्पद हैं। मेरी जानकारी के अनुसार अली सिद्की हैदराबाद के हैं जिनके ऊपर मुकदमा चला था। इनको गिरफ्तार किया गया था। इन्होंने एक कंपनी बनाई थी जो कंपनी मजदूरों की भर्ती कर के बाहर भेजती है। जैसे कि मजदूर भर्ती करने वाली दूसरी कंपनियांजदूर घपले करती है वैसे ही इस कंपनी ने भी किया इसलिए इनको गिरफ्तार किया गया। अब यह अब्दुल लतीफ गलधारी आए औरइ इन्होंने अली सिद्दीकी से यह मुलाकात की। यह हमारे कुछ लोगों का मैं दुर्भाग्य कहूंगा या अकस्मात कहूंगा कि सरकार के पक्ष के ऊंचे लोग हैं यह उनके बीच में मीडियेटर हैं और यह मीडियेटर बन कर ऐसे काम करा रहे हैं जिनको मैं समझता हूं कि सरकार या सरकारी पक्ष के लोग और प्रधानमंत्री शायद न करना चाहते हों ... (**व्यवधान**) अब अली सिद्दीकी ने क्या किया ? यहां जो एक होटल विंडसर प्लेस में बन रहा है जिसका प्योर ड्रिक्स वाले सज्जन को ठेका दिया गया उसमें इनका लतीफ गलधारी साहब का सांझा है। यह मेरी जानकारी है और यह सांझा कराने वाले अब्दुल सिद्दीकी साहब है। उन्होंने यहां होटल का सांझा कराया। मैं नाम तो नहीं जानता कौन सज्जन हैं, कमलनाथ नाम के कोई सज्जन हैं। मैं नहीं जानता यह कौन हैं। उन्होंने इनकी ताईदगी में यहां पर दावत दी। मैं नहीं जानता यह आदमी कौन हैं कहां रहते हैं (**व्यवधान**) वे सब जानते हैं... (**व्यवधान**) अब्दुल गलधारी साहब यहां आए, मुझे बड़ा दुख है यह कहते हुए कि उन्होंने हिन्दुस्तान की दो बड़ी हस्तियों से मुलाकात की। एक हमारे देश के फाइनेंस मिनिस्टर और दूसरे हमारे प्रधानमंत्री के सुपुत्र श्री राजीव गांधी, इन से उन्होंने मुलाकात की। इन सब बातों का खुलासा दूसरे सदन के एक सदस्य ने एक पत्र में हमारे फाइनेंस मिनिस्टर से कर दिया है। उस पत्र की एक प्रति मेरे पास है। सारे पत्र को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है लेकिन जो मुख्य बात लिखी वह यह है कि इनका और दूसरे सज्जन का नाम लिया गया है, इनकी सारी इंटेलिजेंस डिपोर्टमेंट की रिपोर्टस हैं, फाइनेंस मिनिस्टर के पास है, उसमें उनका नाम है कि इनकी जांच की जाए। उसके साथ उन्होंने इस बात की ओर ध्यान आकृष्ट किया है कि करोड़ों रुपया जो स्मगलिंग से आ रहा है जैसे कि मैंने होटल का उदाहरण दिया ऐसी बहुत सी चीजें हैं, इन के माध्यम से हिन्दुस्तान की आर्थिक योजनाओं को नाश किया जा रहा है।